Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-4

इस्लाम का उदय और विस्तार- लगभग 570-1200 ई.

स्मरणीय तथ्य-

1. संसार में मुसलमानों की संख्या एक अरब से अधिक है। वे भिन्न राष्ट्रों के नागरिक हैं, अलग अलग भाषाएँ बोलते हैं और उनका पहनावा भी अलग-अलग है। इस्लामी सभ्यता का मूल क्षेत्र मिश्र से अफगानिस्तान तक का विशाल क्षेत्र है।

2. इस्लामी क्षेत्रों के इतिहास के स्रोत हैं- इतिवृत्त अथवा तवारीख, जीवन-चरित, पैगम्बर के कथन और कार्यों के अभिलेख, कुरान के बारे में टीकाएं, प्रत्यदर्शी वृतान्त (जैसे अखबार), ऐतिहासिक और अर्ध ऐतिहासकि रचनाएँ, दस्तावेजी प्रमाण, प्राचीन इमारतें आदि।

3. अरब लोग कबीलों में बँटे थे। प्रत्येक कबीले के अपने देवी-देवता होते थे। अरब कबीले खानाबदोश होते थे। मक्का में स्थित काबा वहाँ का मुख्य धर्मस्थल था और सभी मुसलमान इसे पवित्र मानते थे।

4. 612 ई. में पैगम्बर मुहम्मद ने अपने आपको खुदा का संदेशवाहक घोषित किया। पैगम्बर मुहम्मद और इनके अनुयायियों को मक्का के समृद्ध लोगों के विरोध के कारण मक्का छोड़कर मदीना जाना पड़ा। इस यात्रा को हिजरा कहा गया और इसी वर्ष से मुस्लिम कैलेंडर यानि हिजरी सन् की शुरूआत हुई

5. पैगम्बर मुहम्मद ने मदीना में एक राजनैतिक व्यवस्था की स्थापना की। अब मदीना इस्लामी राज्य की प्रशासनिक राजधानी तथा मक्का धार्मिक केन्द्र बन गया। थोड़े ही समय में अरब प्रदेश का बड़ा भू-भाग इनके अधीन हो गया।

6. सन् 632 में पैगम्बर मुहम्मद का देहान्त हो गया और अगले पैगम्बर की वैधता के अभाव में राजनीतिक सत्ता उम्मा को अंतरित कर दी गई। इस प्रकार खिलाफत संस्था का आरंभ हुआ। समुदाय का नेता पैगम्बर का प्रतिनिधि अर्थात् खलीफा बन गया।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

7. पहले चार खलीफाओं ने अभियानों द्वारा विद्रोहों का दमन किया, राज्य का विस्तार किया और कबीलों की शक्ति को एकजुट किया।

8. चौथे खलीफा अली की हत्या के बाद मुआविया ने अपने आपको अगला खलीफा घोषित किया और उमय्यद वंश की स्थापना की। मुआविया ने वंशगत उत्तराधिकारी की परंपरा शुरू की। अरबी भाषा को प्रशासन की भाषा घोषित किया गया। दमिश्क को राजधानी बनाया गया और इस्लामी सिक्के जारी किए गये।

9. दवा नामक एक सुनियोजित आंदोलन के उमय्यद वंश को 750 ई. में उखाड़ फेंका और अब्बासी वंश की नींव रखी। इन्होंने बगदाद को राजधानी बनाया, सेना और नौकरशाही का पुनर्गठन किया, इस्लामी संस्थाओं और विद्वानों को संरक्षण प्रदान किया।

10. अब्बासी राज्य नौवीं शताब्दी में कमजोर हो गया। राज्य में गृहयुद्ध, गुटबन्दी और तुर्की-गुलाम अधिकारियों की शक्ति में वृद्धि हुई। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दियों में तुर्की सल्तनत का उदय हुआ जिसकी स्थापना अल्पतिगिन द्वारा की गई।

11. ईसाई जगत और इस्लामी जगत के बीच शत्रुता बढ़ने लगी।, जिसका कारण आर्थिक संगठनों में परिवर्तन था। 1095 में पुण्य भूमि को मुक्त कराने के लिए ईश्वर के नाम पर जो युद्ध लड़े गये उन्हें धर्मयुद्ध कहा गया। यह युद्ध 1095 से 1291 के बीच लड़े गए।

12. मध्यकालीन इस्लामी दुनिया की अर्थव्यवस्था काफी सुदृढ़ थी।, कृषि को प्रोत्साहन, सिंचाई के लिए नहरें, बांधों का निर्माण। उद्योग धंधों का विकास, व्यापार और वाणिज्य को प्रोत्साहन, साखपत्र और हुंडियों का प्रयोग। कृषि और उद्योगों के विकास ने शहरीकरण की प्रक्रिया को तीव्र किया।

13. आठवीं-नौंवी शताब्दी में कानून की चार शाखाएँ (मजहब) बन गई। शासक तथा अधिकारियों द्वारा सुरक्षा के मामले निपटाना।

14. सूफियों का उदय। दर्शनशास्त्र और विज्ञान में रुचि में वृद्धि। अरबी कविता का पुनः आविष्कार हुआ। फारसी भाषा का विकास हुआ। गज़नी फारसी साहित्य का केन्द्र बन गया। फिरदौसी द्वारा शाहनामा लिखा जाना। धार्मिक इमारतें- इस्लामी दुनिया की पहचान। इन इमारतों में मस्जिदें, इबादतगाह और मकबरे शामिल थे। मस्जिदें, इबादतगाह और मकबरे शामिल थे। मस्जिदों का एक विशिष्ट वास्तुशिल्पीय रूप था- गुम्बद, मिनार, महराब, खुला प्रांगण और खंभों के सहारे छत।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-4

इस्लाम का उदय और विस्तार लगभग 570-1200 ई.

अति लघु प्रश्न (2 अंक वाले)

1. 600 से 1200 ई. तक इस्लामी क्षेत्रों के इतिहास की जानकारी हमें किन स्रोतों से मिलती है?
2. पैगम्बर मुहम्मद को मक्का क्यों छोड़ना पड़ा? इस घटना का इस्लाम के इतिहास में क्या महत्व है?
3. खिलाफत संस्था का निर्माण क्यों किया गया? इस संस्था के क्या उद्देश्य थे? संक्षेप में लिखिए।
4. उमय्यद वंश के अब्द-अल-मलिक ने अरब-इस्लामी पहचान के विकास के लिए कौन-कौन से कार्य किए? किन्हीं दो कार्यों का उल्लेख कीजिए।
5. धर्म-युद्धों का ईसाई-मुस्लिम संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ा? संक्षेप में विवरण दीजिए।
6. इस्लाम की मुख्य शिक्षाएं संक्षेप में लिखिये।

लघु प्रश्न (5 अंक वाले)

7. पैगम्बर मुहम्मद ने किस प्रकार अरब प्रदेश के बड़े भाग को अपने धर्म, समुदाय और राज्य में लाने में सफलता प्राप्त की? विवरण दीजिए।
8. अब्बासी राज्य के नौंवी शताब्दी में कमजोर होने के कारणों तथा परिणामों का उल्लेख कीजिए।
9. इस्लामी राज्य में कृषि व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ क्या थीं? व्याख्या कीजिए। इन विशेषताओं से पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना करो।
10. मध्यकालीन इस्लामी समाज पर यूनानी दर्शन और विज्ञान के प्रभाव का उल्लेख कीजिए।
11. मध्यकालीन मुस्लिम साम्राज्य के व्यापार एवं वाणिज्य की जानकारी देते हुए यह बताइए कि इसका मुद्रा के प्रसार पर क्या प्रभाव पड़ा?
12. इस्लामी दुनिया की इमारतों की विशेषताएं लिखिये।

दीर्घ प्रश्न (10 अंक वाले)

13. मध्यकालीन इस्लामी जगत में शहरीकरण की मुख्य विशेषताएँ क्या थीं? विवेचना कीजिए।
14. इस्लामी वास्तुकला और रोमन वास्तुकला का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अपेक्षित उत्तर/संकेत एवं मूल बिन्दु

अति लघु प्रश्नोत्तर (2 अंक वाले)

1. ❑ इतिवृत्त अथवा तवारीख
   ❑ अर्ध ऐतिहासिक कृतियाँ जैसे जीवन चरित, पैगम्बर के कथन और कृत्यों के अभिलेख, कुरान की टीकाएं।
   ❑ कानूनी पुस्तकें, भूगोल, यात्रा वृत्तांत।
   ❑ साहित्यिक रचनाएं जैसे कहानियां और कविताएं।

2. ❑ मक्का छोड़ने का कारण वहां के समृद्ध लोगों का विरोध था।
   ❑ उन्हें देवी-देवताओं का ठुकराया जाना अच्छा नहीं लगा।
   ❑ 622 ई. में पैगम्बर द्वारा मक्का से मदीना की यात्रा को हिजरा कहा जाता है।
   ❑ इस वर्ष से मुस्लिम कैलेंडर यानी हिजरी सन् की शुरुआत हुई।

3. ❑ पैगम्बर मुहम्मद के देहांत के बाद वैध पैगम्बर का अभाव।
   ❑ मुसलमानों में मतभेदों को दूर करने के लिये खिलाफत संस्था का निर्माण।
   ❑ समुदाय के नेता को पैगम्बर का प्रतिनिधि यानी खलीफा माना गया।

   खिलाफत के उद्देश्य:

   ❑ कबीलों पर नियंत्रण कायम करना।
   ❑ राज्य के लिए संसाधन जुटाना।

4. ❑ इस्लामी सिक्के चलाए जिन पर अरबी भाषा में लिखा गया।
   ❑ जेरूसलम में 'डोम ऑफ रॉक' बनवाया।

5. ❑ मुस्लिम राज्यों ने ईसाई प्रजा के प्रति कठोर नीति अपनानी शुरू कर दी।
   ❑ पूर्व तथा पश्चिम के बीच होने वाले व्यापार में इटली का प्रभाव बढ़ गया।

6. ❑ पैगम्बर मोहम्मद खुदा का संदेशवाहक है।
   ❑ केवल अल्लाह की ही इबादत (आराधना) की जानी चाहिए।
   ❑ दैनिक प्रार्थना (दिन में 5 बार
   ❑ खैरात बाँटना

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- ❑ चोरी न करना
- ❑ जीवन में एक बार हज (मक्का की यात्रा) करना।

7. ❑ मदीना में राजनैतिक व्यवस्था की स्थापना करके अनुयायियों को सुरक्षा प्रदान की।
   - ❑ आंतरिक लड़ाई का समाधान किया।
   - ❑ उम्मा को एक बड़े समुदाय में बदला।
   - ❑ उपवास जैसे कर्मकाण्डों और नैतिक सिद्धांतों को बढ़ाकर और परिष्कृत करके धर्म का सुदृढ़ किया।
   - ❑ आय के स्त्रोत कृषि, व्यापार और जकात (खैरात कर) थे। पैगम्बर मुहम्मद के प्रयासों के कारण मदीना उभरते इस्लामी राज्य की प्रशासनिक राजधानी और मक्का धार्मिक केन्द्र बन गया।

8. ***कारण:-***
   - ❑ सेना और नौकरशाही में अरब समर्थक और इरान-समर्थक गुटों में झगड़ा।
   - ❑ 810 ई. में खलीफा हारुन अल-रशीद के पुत्रों-अमीन और मामुन के समर्थकों के बीच गुहयुद्ध।
   - ❑ तुर्की गुलाम अधिकारियों (यामलुक) द्वारा एक नए शक्ति गुट का निर्माण।

   परिणाम:-
   - ❑ कई नए छोटे-छोटे राजवंश उत्पन्न हो गए जैसे- ताहिरी, समानी, तुलुनी।
   - ❑ बुवाही नामक शियावंश में 945 ई. में बगदाद पर अधिकार कर लिया।

9. ***कृषि व्यवस्था की विशेषताएँ:-***
   - ❑ लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि।
   - ❑ जमीन के स्वामी छोटे-बड़े किसान तथा राज्य थे।
   - ❑ कर राज्य की ओर से एकत्र किया जाता था।
   - ❑ गैर मुसलमान उपज का आधा से लेकर पांचवें हिस्से के बराबर कर देते थे।
   - ❑ राज्य द्वारा सिंचाई प्रणालियों, बांधों और नहरों के निर्माण तथा कुओं की खुदाई के लिए सहायता।
   - ❑ पहली बार खेती करने पर कर में रियायत।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्रभाव :-

- ❑ खेती योग्य भूमि में वृद्धि हुई।
- ❑ उत्पादकता में वृद्धि हुई।
- ❑ कई कई फसलों जैसे- कपास, संतरा, केला, तरबूज, पालक और बैंगन की खेती शूरू हुई और यूरोप को इनका निर्यात किया गया।

10. ❑ उमय्यद और अब्बासी खलीफाओं ने ईसाई विद्वानों से यूनानी और सीरियाक भाषा की पुस्तकों का अनुवाद करवाया।
- ❑ ईश्वर और विश्व की एक वैकल्पिक कल्पना का विकास किया।
- ❑ सिकंदरिया, सीरिया और मेसोपोटामिया में यूनानी दर्शन, गणित और चिकित्सा की शिक्षा दी जाती थी।
- ❑ अल-मामून के शासन काल में बगदाद में पुस्तकालय व विज्ञान संस्थान को सहायता दी गई।
- ❑ अरस्तू की पुस्तकें यूक्लिड की एलीमेंट्स और टोलेमी की पुस्तक एल्मागेस्ट की ओर विद्वानों का ध्यान आकर्षित।
- ❑ खगोल विज्ञान, गणित और चिकित्सा के विषय में भारतीय पुस्तकों का अरबी अनुवाद किया गया।

11. ❑ व्यापार दो मुख्य मार्गों लाल सागर तथा फारस की खाड़ी से होता था।
- ❑ मसालों, कपड़े, चीनी-मिट्टी की वस्तुएँ तथा बारूद को भारत और चीन से लाल सागर तथा फारस की खाड़ी तक जहाजों द्वारा लाया जाता था।
- ❑ भूमध्य सागर के सिरे पर सिकंदरिया के पत्तन से यूरोप को किया जाने वाला निर्यात यहूदी व्यापारियों के हाथ में था।
- ❑ चौथी शताब्दी में काहिरा के उभरने से तथा इटली में पूर्वी माल की बढ़ती मांग के कारण लाल सागर का महत्व बढ़ गया।
- ❑ ईरानी व्यापारी चीनी वस्तुएँ लाने बगदाद से बुखारा तथा समरकंद होते हुए रेशम मार्ग से चीन जाते थे।

मुद्रा का प्रसार:

- ❑ राजकोषीय प्रणाली और बाजार के लेन-देन से मुद्रा का प्रसार बढ़ गया।
- ❑ सोने, चांदी और तांबे के सिक्के बड़ी संख्या में बनाये जाने लगे।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- ❑ बहुमूल्य धातुएं और सिक्के, पूर्वी व्यापार की वस्तुओं के बदले यूरोप से आते थे।
- ❑ धन की बढ़ती मांग के कारण संचित भंडारों और बेकार संपत्ति का उपयोग होने लगा।
- ❑ उधार का कारोबार भी मुद्राओं के साथ जुड़ गया।

12. ❑ अधिकतर इमारतें धार्मिक – मस्जिदें, मकबरे, इबादतगाह।
- ❑ इमारतों का बुनियादी नमूना एक जैसा।
- ❑ इमारते इस्लामी आध्यात्मिक व व्यवहारिक जरूरते पूरा करती।
- ❑ सभी में मेहराबें, गुम्बद, मीनार व खुले सहन खंभो के सहारे वाली छत
- ❑ केंद्रीय प्रांगण के चारो और निर्मित इमारत–मस्जिद मकबरे, सराय, अस्पताल व महल में भी।
- ❑ मस्जिद में :– प्रांगण में फव्वारा/जलाशय प्रागंण का बड़े कमरे में खुलना बड़े कमरे की दीवार में मेहराब शुक्रवार को दोपहर की नमाज में प्रवचन के लिये मंच (मिम्बर)

दीर्घ प्रश्नोत्तर (10 अंक वाले)

13. ❑ खेती की खुशहाली तथा राजनीतिक स्थिरता।
- ❑ शहरों की तादाद में वृद्धि।
- ❑ शहरों में जनसंख्या में वृद्धि।
- ❑ शहरों में आर्थिक तथा सांस्कृतिक शक्ति का प्रसार।
- ❑ शहरों के नक्शों में समानता का अभाव।
- ❑ विनिमय के दायरे का विस्तार।
- ❑ भारत और यूरोप के समुद्री व्यापार पर एकाधिकार।
- ❑ राजकोषीय प्रणाली।
- ❑ अदायगी और व्यापार व्यवस्था के बेहतर तरीके।
- ❑ वाणिज्यिक पत्रों का व्यापक उपयोग।

14. ❑ धार्मिक इमारतें दुनिया की सबसे बड़ी प्रतीक।
- ❑ स्पेन से मध्य एशिया तक फैली मस्जिदें, इबादतगाह तथा मकबरे।
- ❑ इमारतें मुसलमानों की आध्यात्मिक तथा व्यावहारिक आवश्यकताओं को अभिव्यक्त करती थीं।
- ❑ इस्लाम की पहल शताब्दी में मस्जिद ने एक विशिष्ट वास्तुशिल्पीय स्वरूप प्राप्त कर लिया।
- ❑ नखलिस्तानों में मरुस्थली महल।
- ❑ महलों का निर्माण रोमन तथा ससानी वास्तुशिल्प के तर्ज पर।
- ❑ अब्बासियों द्वारा सीमा पार के बीच एक नए शाही शहर का निर्माण।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- मीनार नए धर्म के अस्तित्व के रूप में।
- सार्वजनिक स्नान-गृह रोम के शहरी जीवन की विशेषता।
- रोम के इंजीनियरों द्वारा तीन महाद्वीपों के पार पानी ले जाने के लिए विशाल जल सेतुओं का निर्माण।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-4

अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न

इस्लामी कैलेंडर

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

हिजरी सन् की स्थापना उमर की खिलाफत के समय की गई थी, जिसका पहला वर्ष 622 ई. में पड़ता था। हिजरी सन् की तारीख को जब अंग्रेजी में लिखा जाता है तो वर्ष के बाद ए.एच. लगाया जाता है। हिजरी वर्ष चन्द्र वर्ष है, जिसमें 354 दिन, 29 अथवा 30 दिनांक के 12 महीने (मुहर्रम से धुल हिज्जा तक) होते हैं। प्रत्येक दिन सूर्यास्त के समय से शुरू होता है और प्रत्येक, महीना अर्धचंद्र के दिन से शुरू होता है। हिजरी वर्ष सौर वर्ष से 11 दिन कम होता है। अत: हिजरी का कोई भी धार्मिक त्योहार, जिनमें रमजान के रोजे, ईद और हज शामिल हैं, मौसम के अनुरूप नहीं होता। हिजरी कैलेंडर की तारीखों को ग्रैगोरियन कैलेंडर (जिसकी स्थापना पोप ग्रैगरी 13वें द्वारा 1582 ई. में की गई थी) की तारीखों के साथ मिलाने का कोई सरल तरीका नहीं है। इस्लामी (एच) और ग्रैगोरियन क्रिश्चियन (सी) वर्षों के बीच मोटे रूप से समानता की गणना निम्नलिखित फार्मूलों से की जा सकती है:

(एच x 32/33) + 622 = सी

(सी – 622) x 33/32 = एच

प्रश्न

1. पैगम्बर मुहम्मद का जन्म कब हुआ और उन्होंने इस्लाम धर्म की स्थापना कब की? 2
2. हिजरी सन् की स्थापना कब व किस वर्ष हुई? 2
3. हिजरी सन् किस प्रकार का वर्ष है तथा इसमें कितने दिन होते है।? 2
4. हिजरी वर्ष में कोई भी त्योहार मौसम के अनुरूप क्यों नहीं होता? 2

कागज गेनिजा अभिलेख और इतिहास

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

आविष्कार के बाद इस्लामी जगत में लिखित रचनाओं का व्यापक रूप से प्रसार होने लगा। कागज (लिनन से निर्मित) चीन से आया था, जहां कागज बनाने की प्रक्रिया को बहुत सावधानी से गुप्त रखा गया था। 751 में समरकंद के मुसलमान शासक ने 20,000 चीनी आक्रमणकारियों को बंदी

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

बना लिया, जिनमें से कुछ कागज बनाने में बहुत निपुण थे अगले सौ वर्षों के लिए, समरकंद का कागज निर्यात की एक महत्वपूर्ण वस्तु बन गया। चूंकि इस्लाम एकाधिकार का निषेध करता है, इसलिए कागज इस्लामी दुनिया के बाकी हिस्सों में बनाया जाने लगा। दसवीं शताब्दी के मध्य भाग पर इसने अधिकांशतः पैपाइरस का स्थान ले लिया था। पैपाइरस एक ऐसी लेखन सामग्री था, जिसे एक ऐसे पौधों के अंदरूनी तने से बनाया जाता था, जो नील घाटी में बहुतायत से उगता था। कागज की मांग बढ़ गई, और अब्द अल-लतीफ, जो बगदाद से आया हुआ एक चिकित्सक था (आदर्श विद्यार्थी का उसका चित्रण देखिए) और 1193 से 1207 तक मिश्र का निवासी था, लिखता है कि मिस्र के किसानों ने ममियों के ऊपर लपेटे गए लिनन से बने हुए आवरण प्राप्त करने के लिए कब्रों को किस तरह लूटा था, ताकि वे इन लिनन कागज के कारखानों को बेच सकें।

कागज की उपलब्धता के कारण सभी प्रकार के वाणिज्यिक और निजी दस्तावेजों को लिखना भी सुविधाजनक हो गया 1896 में फुस्तात (पुराना काहिरा) में बेन एजरा के यहूदी प्रार्थना-भवन के एक सीलबंद कमरे (गेनिजा, जिसका उच्चारण गनिज़ा के रूप में किया जाता है) में बेन एजरा के यहूदी दस्तावेजों का एक विशाल संग्रह मिला। ये दस्तावेज़ इस यहूदी प्रथा के कारण संभाल कर रखे गए थे कि ऐसी किसी भी लिखावट को नष्ट नहीं किया जाना चाहिए, जिसमें परमेश्वर का नाम लिखा हुआ हो। गेनिज़ा में लगभग ढाई लाख पांडुलिपियां और उनके टुकड़े थे, जिनमें कई आठवीं शताब्दी के मध्यकाल के भी थे। अधिकांश सामग्री दसवीं से तेरहवीं शताब्दी तक की थी, अर्थात् फातिमी, अयूबी, और प्रारंभिक मामलुक काल की थीं। इनमें व्यापारियों, परिवार के सदस्यों और दोस्तों के बीच लिखे गए पत्र, संविदा, दहेज से जुड़े वादे, बिक्री दस्तावेज, धुलाई के कपड़ों की सूचियां और अन्य मामूली चीजें शामिल थीं। अधिकतर दस्तावेज़ यहूदी-अरबी भाषा में लिखे गए थे, जो हिब्रू अक्षरों में लिखी जाने वाली अरबी भाषा का ही रूप था, जिसका उपयोग समूचे मध्यकालीन भूमध्य सागरीय क्षेत्र में यहूदी समुदायों द्वारा आमतौर पर किया जाता था। गेनिज़ा दस्तावेज़ निजी और आर्थिक अनुभवों से भरे हुए हैं और वे भूमध्यसागरीय और इस्लामी संस्कृति की अंदरूनी जानकारी प्रस्तुत करते हैं। इन दस्तावेज़ों से यह भी पता चलता है कि मध्यकालीन इस्लामी जगत के व्यापारियों के व्यापारिक कौशल और वाणिज्यिक तकनीके उनके यूरोपीय प्रतिपक्षियों की तुलना में बहुत अधिक उन्नत थीं। गेटिन ने गेनिज़ा अभिलेखों का प्रयोग करते हुए भूमध्यसागर का इतिहास कई संग्रहों में लिखा। गेनिज़ा के एक पत्र से प्रेरित होकर अमिताव घोष ने अपनी पुस्तक इन एन एंटीक लैंड में एक भारतीय दास की कहानी प्रस्तुत की है।

प्रश्न

1. कागज की उपलब्धता के क्या लाभ हुए? 2
2. मध्यकाल के यहूदी दस्तावेज़ों का एक विशाल संग्रह कब और कहां से मिला? 2
3. यहूदियों की किस प्रथा के कारण विशाल दस्तावेज़ों को संभाल कर रखा गया था? 2
4. गेनिज़ा दस्तावेज़ों में क्या लिखा गया है? 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आदर्श विद्यार्थी

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

बारहवीं शताब्दी के बगदाद में कानून और चिकित्सा के विषयों के विद्वान-अब्द अल-लतीफ (Abd al-Latif)अपने आदर्श विद्यार्थी से बात कर रहे हैं:

''मेरा अनुरोध है कि आप बिना किसी की सहायता के, केवल पुस्तकों से ही, विज्ञान न सीखें, चाहे आपको समझने की अपनी योग्यता पर भरोसा हो। उन्हें प्रत्येक विषय के लिए जिसका ज्ञान आप प्राप्त करना चाहतें हों, अध्यापकों का सहारा लें, और यदि आपके अध्यापक को ज्ञान सीमित हो, तो जो कुछ वह दे सकता है उसे प्राप्त कर लें, जब तक आपको उससे योग्य अध्यापक न मिल जाए। आपको अपने अध्यापक का आदर और सम्मान अवश्य करना चाहिए। जब आप कोई पुस्तक पढ़ें, तो उसे कंठस्थ करने और उसके अर्थ पर पूर्ण अधिकार प्राप्त कर लें। मान लो कि पुस्तक खो गई है और आप उसे छोड़ सकते हैं तब पुस्तक कंठस्थ होने पर आपका कुछ नहीं बिगड़ेगा। व्यक्ति को इतिहास की पुस्तकें पढ़नी चाहिए, जीवनियों और राष्ट्रों के अनुभवों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करने से यह लगेगा कि पढ़ने वाला अपने अल्प जीवन-काल में अतीत के लोगों के साथ रह रहा है। उनके साथ उसके घनिष्ठ संबंध हैं और उनमें अच्छों और बुरों को पहचानता है। आपको अपना आचरण शुरू के मुसलमानों के आचरण के अनुरूप बनाना चाहिए। इसलिए, पैगम्बर की जीवनी को पढ़ो और उनके पद-चिन्हों पर चलो। आपको अपने स्वभाव के बारे में अच्छी राय रखने की बजाय, उस पर बारंबार अविश्वास करना चाहिए, अपना ध्यान विद्वान लोगों और उनकी कृतियों पर लगाना चाहिए, बहुत सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए और कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। जिस व्यक्ति ने अध्ययन का दबाव न झेला हो, वह ज्ञान के आनंद का मजा नहीं ले सकता। जब आपने अपना अध्ययन और चिंतन मनन पूरा कर लिया हो, तो अपनी जीभ को अल्लाह का नाम लेने के कार्य में व्यस्त रखिए और अल्लाह का गुणगान कीजिए। यदि संसार आपकी ओर पीठ मोड़ ले, तो शिकायत न करें। यह जान लें कि ज्ञान कभी खत्म नहीं होता, वह पीछे अपनी सुगंध छोड़ जाता है, जो उसके स्वामी का पता बता देती है ज्ञान प्रकाश और क्रांति की किरण ज्ञानी पर चमकती रहती है और उसकी ओर संकेत करती रहती है।''

-अहमद इब्न अल कासिम इब्न अबी उसयबिया, उयून अल अन्बा

प्रश्न

1. अब्द अल-लतीफ कौन था? 2
2. अब्द अल-लतीफ ने अपने आदर्श विद्यार्थी को क्या सलाह दी? 2
3. व्यक्ति को इतिहास की पुस्तकें क्यों पढ़नी चाहिए? 2
4. ज्ञान का क्या महत्व है? 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-4

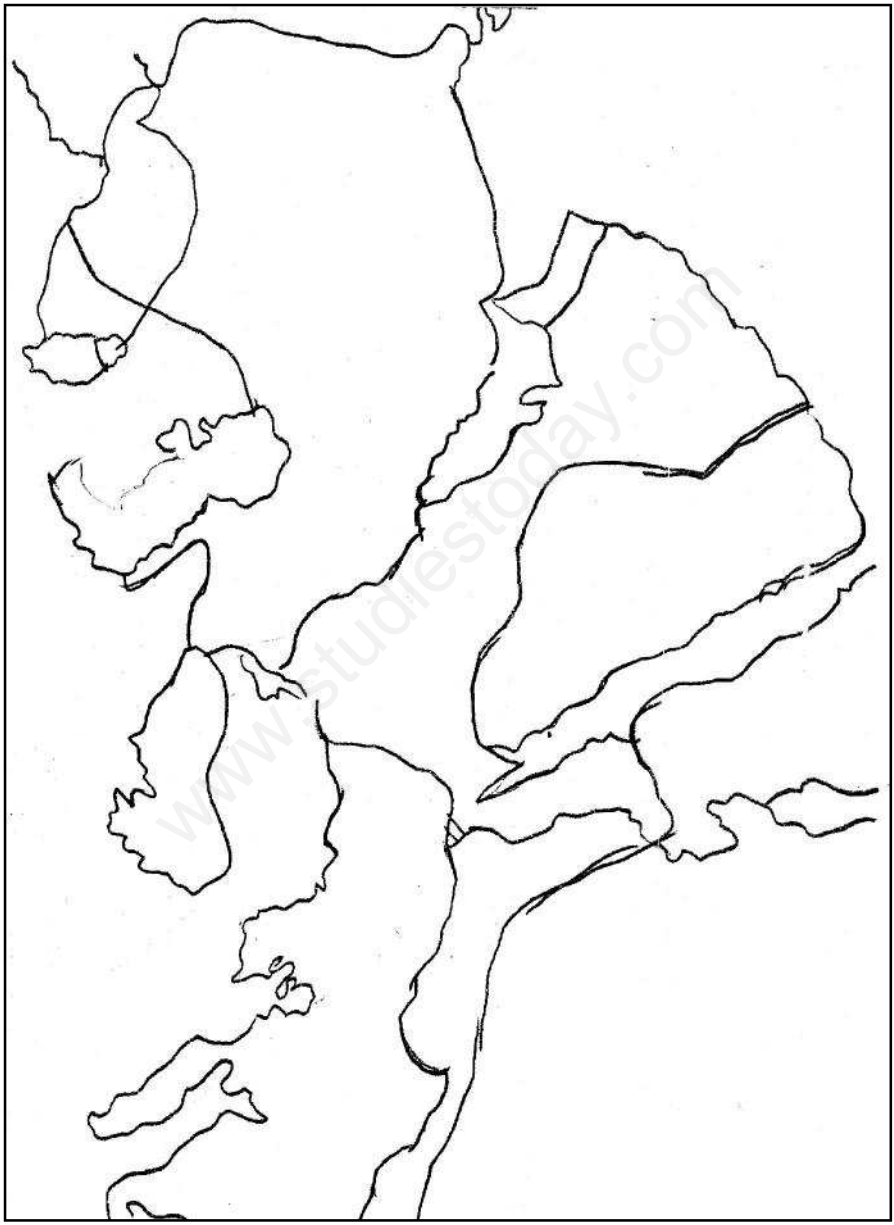

दिये गये मानचित्र में निम्नलिखित इस्लामिक क्षेत्रों को अंकित कीजिए।

1. मदीना, मक्का, बगदाद, निशापुर, गजनी

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-4

दिये गये मानचित्र में निम्नलिखित इस्लामिक क्षेत्रों के पांच स्थान 1-5 तक दिखाऐ गए है। उन्हें पहचानकर उनके नाम लिखिए।

Downloaded from www.studiestoday.com